# डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल वेलचेरी, चेन्नई-42

## अंतर्राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन दिवस और ई-अपशिष्ट दिवस 2024-2025

डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल, चेन्नई में दिनांक 27 अगस्त 2024 अंतर्राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन दिवस और ई-कचरा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आपदाओं के बारे में जागरूक करना और ई-कचरा प्रबंधन के महत्त्व को समझाना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ गायत्री मंत्रोंच्चारण एवं डी.ए.वी.गान द्वारा किया गया। इसके पश्चात कक्षा आठवीं के विद्यार्थी हरिहरसुदन ने दर्शकों का स्वागत किया। समन्वयक शेनबगप्रिया जी ने इस दिन के मुख्य अतिथि श्री गोपी कन्नन लक्ष्मणन, वरिष्ठ भूविज्ञानी का संक्षिप्त परिचय दिया।कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं ने इस विज्ञान दिन के महत्त्व पर प्रकाश डाला और आपदाओं के परिणामों और उनसे बचाव के तरीकों के बारे में बताया। इसके बाद कक्षा आठवीं के दक्षेश और अभिरामी ने ई-कचरा प्रबंधन और इसके खतरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ई-कचरा प्रबंधन, पुर्नउपयोग और पुर्नचक्रण के तरीकों पर भी चर्चा की। इसके बाद कक्षा पाँचवीं और छठी के विद्यार्थियों ने एक टॉक शो 'स्पेकट्रम' आयोजित किया। इस टॉक शो में आपदा प्रबंधन, प्राकृतिक आपदाओं की रोकथाम, न्यूनीकरण, आपदाओं का सामना करने के लिए कैसे तैयार रहना, आपदाओं के प्रति हमारी प्रतिक्रिया, आपदाओं के दुष्प्रभावों से उबरने के तरीके, ई-कचरा निपटान के खतरे, ई-कचरा से निपटने के नवीन समाधान, ई-कचरा के ज़िम्मेदार निपटान के लाभ, ई-कचरा के जैविक और प्राकृतिक पर्यावरण और मानव पर प्रभाव आदि विषयों पर चर्चा की गई। कक्षा सातवीं और आठवीं के छात्र-छात्राओं ने 'टर्निंग ट्रैश इनटू ट्रेज़र' नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में ई-कचरा निपटान के कारण पर्यावरणीय मुद्दों, आर्थिक क्षेत्र में ई-कचरा के पुर्नउपयोग के महत्त्व, अपशिष्ट रीसाइक्लिंग से वायु प्रदूषण कम करने, ई-कचरा में मौजूद खतरनाक न्यूरोटॉक्सिन के समुद्री जीवन पर प्रभाव, ई-कचरा का पुर्नउपयोग और रीसाइक्लिंग करके आर्थिक संपत्ति में बदलने के सकारात्मक परिणामों आदि विषयों पर चर्चा की गई।

कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों ने 'इन डेप्थ इनसाइट्स, वायनाड लैंडस्लाइड' नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया । इस कार्यक्रम में वायनाड लैंडस्लाइड के कारणों, चिकित्सा चुनौतियों, एन.जी.ओ. के साथ संबंध, प्रभावित लोगों के अनुभव, कमज़ोर क्षेत्रों में आपदा निर्माण को कम करने के लिए सरकार की पहल आदि विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि ने प्राकृतिक आपदाओं, कमज़ोर क्षेत्रों और सतत विकास के लिए नवीन समाधानों के बारे में जानकारीपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की। उन्होंने भारत के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, कलकत्ता द्वारा उपग्रह अध्ययन के माध्यम से कमज़ोर क्षेत्रों को पहचानने के तरीकों के बारे में बताया। उन्होंने ई-कचरा को कम करने और रीसाइक्लिंग करने के लिए अपने योगदान देने के तरीकों और पर्यावरण-

अनुकूल तरीकों से उनका निपटान करने के तरीकों के बारे में भी बताया। उन्होंने हाइड्रोजन ईंधन संचालित भविष्य और परमाणु कचरा निपटान के तरीकों पर भी चर्चा की। इस समारोह ने विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन और ई-कचरा प्रबंधन के महत्त्व के बारे में जागरूक किया और उन्हें इन क्षेत्रों में योगदान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और शांतिपाठ से हुआ।

टॉक शो - स्पेकट्रम

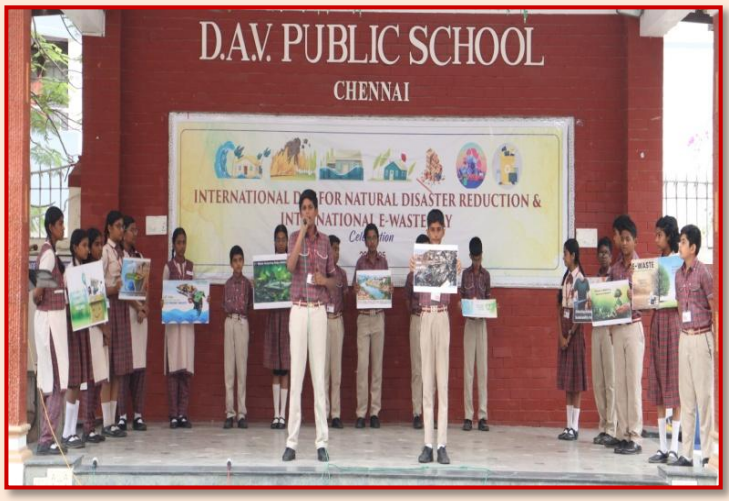


टर्निंग ट्रैश इनटू ट्रेजर

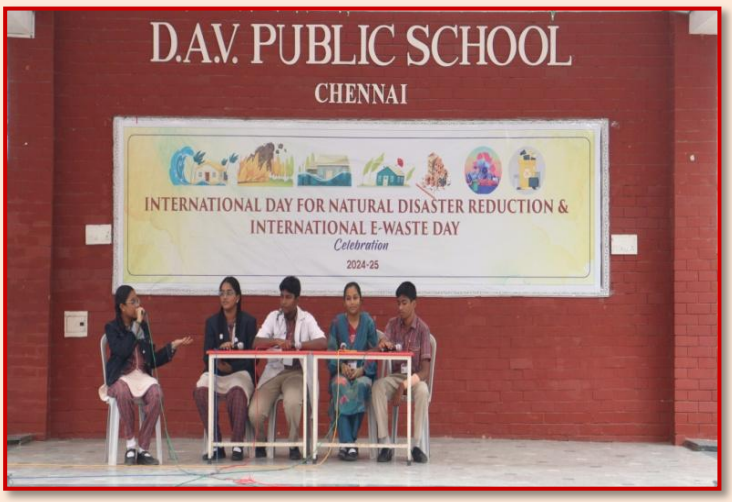


वायनाड भूस्खलनः कारण और उसके परिणाम पर चर्चा

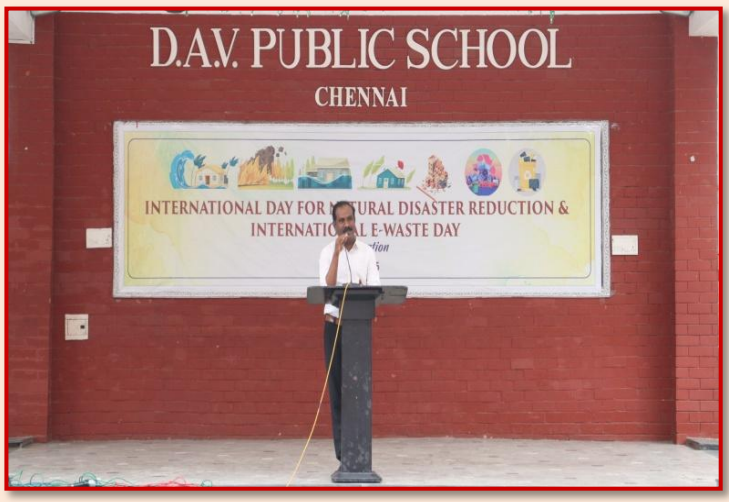


हमारे सम्मानित मुख्य अतिथि द्वारा प्रेरक और विचारोत्तेजक संबोधन